नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 075
दि. 14.07.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन: सीएम योगी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गडकरी ने फीता काटकर किया लोकार्पण

(जीएनएस)।

उन्नाव, कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का सोमवार को भव्य लोकार्पण होने जा रहा है। सेना के हेलीकॉप्टर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एक्सप्रेसवे लोकार्पण स्थल पर पहुंच गए हैं। चारों नेताओं के पहुंचते ही कार्यक्रम स्थल पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। कुछ ही देर में 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया जाएगा।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सेना के हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल पहुंच गए। हेलीकॉप्टर के उतरने के बाद चारों नेताओं का जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया।

लोकार्पण से पहले सभी अतिथियों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की निर्माण प्रक्रिया, परियोजना की प्रमुख विशेषताओं और इससे होने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

इसके बाद सभी अतिथि मुख्य मंच पर पहुंचे। कुछ ही देर में 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया जाएगा। समारोह स्थल पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद हैं

राह हुई आसान, दो हाईवे से जुड़ा

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के चालू होने से जिले के लोगों को भी सबसे ज्यादा फायदा पहुंचेगा। यह एक्सप्रेसवे दो हाईवे को जोड़ रहा है। इसी कारण जिलेवासी इस एक्सप्रेसवे के जरिए एक तरफ लालगंज रायबरेली पहुंच सकेंगे। वहीं, दूसरी ओर कानपुर-लखनऊ हाईवे पर भी आ जा सकेंगे।

एनएचएआई के अफसरों के मुताबिक, इस एक्सप्रेसवे पर यात्रा करते समय टोल चुकाने के लिए गाड़ी की रफ्तार कम नहीं करनी होगी और न ही कोई बैरियर होगा। टोल प्लाजा से 500 मीटर पहले लगे हाई डेफिनेशन कैमरे गाड़ी की नंबर प्लेट और फास्टैग को रफ्तार में ही स्कैन कर लेंगे।

वहीं, इस एक्सप्रेसवे की एक ओर की दूरी तय करने में आपकी कार में 210 रुपये की सीएनजी खर्च होगी। इसके अलावा डीजल व पेट्रोल की छोटी कार में क्रमशः 230 व 250 रुपये का खर्च आएगा। एक ओर के टोल टैक्स के रूप में अपनी जेब से 275 रुपये चुकाने होंगे।

इससे कुल यात्रा में आपको 485 रुपये व्यय करने होंगे। वहीं, पुराना हाईवे (एनएच-27) में आपको एक तरफ का मात्र 95 रुपये का टोल देना होगा। इस रास्ते आपकी यात्रा 305 रुपये में पूरी हो जाएगी। इस तरह डीजल कार में 505 व पेट्रोल कार में 525 रुपये का खर्च आएगा। समय भी मात्र आधा घंटा ज्यादा लगेगा।

अब आसमान से निहारें बिहार की खूबसूरती, आज से हेलीकॉप्टर बुकिंग शुरू, सरकार दे रही सब्सिडी

(जीएनएस)।

बिहार घूमने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का नजारा आसमान से देखने का सपना पूरा होने जा रहा है। बिहार सरकार ने हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना 2026 की शुरूआत कर दी है। 13 जुलाई से हेलीकॉप्टर सेवा की बुकिंग शुरू हो गई है, जबकि 18 जुलाई से नियमित उड़ानें शुरू होंगी।

पहले चरण में पटना से राजगीर, वाल्मीकिनगर और कैमूर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध होगी। सरकार यात्रियों को हर टिकट पर भारी सब्सिडी दे रही है, जिससे कम खर्च में हवाई सफर और पर्यटन का आनंद लिया जा सकेगा।

हेली-टूरिज्म योजना के पहले चरण में पश्चिम चंपारण का वाल्मीकिनगर, नालंदा का राजगीर और कैमूर स्थित मां मुंडेश्वरी मंदिर

को शामिल किया गया है। पटना से इन तीनों जगहों के लिए हर शनिवार और रविवार हेलीकॉप्टर उड़ानें संचालित होंगी। वाल्मीकिनगर के लिए राजकीय विमान का इस्तेमाल किया जाएगा, जबकि राजगीर और कैमूर के लिए 6+2 सीटर हेलीकॉप्टर उपलब्ध रहेंगे। प्रत्येक उड़ान में पांच सीटें पर्यटकों के लिए आरक्षित होंगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

इस योजना की सबसे खास बात यह है कि सरकार यात्रियों को प्रति टिकट बड़ी सब्सिडी दे रही है। पटना से राजगीर का किराया 4,000 रुपये, वाल्मीकिनगर का 5,000 रुपये और कैमूर का 6,000 रुपये तय किया गया है। जबकि एक सीट की वास्तविक लागत करीब 17,522 रुपये है। बाकी राशि सरकार वहन करेगी। इससे आम लोगों को भी कम खर्च में हेलीकॉप्टर से यात्रा करने और बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों का हवाई सफर करने का मौका मिलेगा।

सेल्फी विद डॉटर' की जन्मस्थली पहुंचेंगे प्रधानमंत्री, 10 बार कर चुके हैं अभियान का जिक्र

(जीएनएस)।

17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जींद दौरा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि जिले के लिए एक भावनात्मक और ऐतिहासिक पल भी लेकर आएगा। प्रधानमंत्री 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान का जिक्र करने के बाद पहली बार उस धरती पर कदम रखेंगे, जहां से 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान की शुरूआत हुई थी। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपने संबोधनों और कार्यक्रमों में इस अभियान का अब तक 10 बार जिक्र कर चुके हैं।

जींद के बीबीपुर गांव के पूर्व सरपंच एवं 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान के संस्थापक सुनील जागलान और उनके परिवार में प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर खासा उत्साह है। उनके लिए यह केवल प्रधानमंत्री का दौरा नहीं, बल्कि उस अभियान की स्वीकार्यता का प्रतीक है, जिसने बेटियों के सम्मान और संरक्षण का संदेश देश-दुनिया तक पहुंचाया।

सुनील जागलान का कहना है कि जिस धरती से बेटी बचाने के इस वैश्विक अभियान की शुरूआत हुई, उस धरती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आना ऐतिहासिक क्षण होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अपनी जुबां से 10 बार इस अभियान का जिक्र करना उनके लिए तो खास गर्व की बात है ही, लेकिन उससे भी बड़ा गर्व पूरे जींद जिले का है, क्योंकि इस अभियान ने जींद की पहचान देश और दुनिया तक पहुंचाई।

पीएम के जींद दौरे से पहले सामने आई सकारात्मक तस्वीर

प्रधानमंत्री मोदी के जींद दौरे से पहले जिले के लिए एक और सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। जींद के लिंगानुपात ने ऊंची छलांग पीएम के दौरे से पहले लगाई है। कुछ महीने पहले तक जिले का लिंगानुपात 900 के आंकड़े को पार करने के लिए संघर्ष कर रहा था, लेकिन जून महीने में इसने बड़ी छलांग लगाई और यह बढ़कर 970 तक पहुंच गया। ऐसे समय में, जब प्रधानमंत्री बेटी बचाओ के संदेश से जुड़े अभियान की जन्मस्थली पर आ रहे हैं, जिले के लिंगानुपात में आया यह सुधार भी एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संदर्भ बन गया है।

'उद्घाटन से पहले धंसा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे', अखिलेश यादव के आरोप पर बीजेपी बोली- '2027 चुनाव की हताशा'

(जीएनएस)।

लखनऊ/उन्नावः लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के उद्घाटन से ठीक पहले यूपी में सियासी घमासान छिड़ गया है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यह एक्सप्रेसवे उद्घाटन से पहले ही धंस गया है. उन्होंने भाजपा पर 'महाभ्रष्टाचार' और ठेकेदारों को मुनाफा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए यात्रियों की सुरक्षा पर चिंता जताई. दूसरी तरफ, बीजेपी ने इसे अखिलेश की 'मानसिक कमजोरी' और 2027 चुनाव की हताशा बताया. वहीं, ठलअक ने स्पष्ट किया कि मुख्य हाईवे पूरी तरह सुरक्षित है और सोशल मीडिया पर दिख रही तस्वीर सिर्फ सड़क किनारे की मिट्टी खिसकने की है, जिसे ठीक कर दिया गया है.

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की हलचल के बीच 4,700 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे अपने उद्घाटन से ठीक पहले बड़े सियासी विवादों में घिर गया है. समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक्सप्रेसवे के धंसने का दावा करते हुए भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं. वहीं, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'चुनावी हताशा' करार दिया है.

सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर एक पोस्ट के जरिए सरकार को आड़े हाथों लिया. उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'एक्सप्रेसवे इसलिए बनाए जाते हैं कि लोग बेफिक्र होकर तेजी से सफर कर सकें, न कि पूरे रास्ते भगवान का नाम जपते रहें.'

ठेकेदारों को फायदाः जनता पूछ रही है कि यह प्रोजेक्ट लोगों की सुविधा के लिए बना है या भाजपा से जुड़े ठेकेदारों को मुनाफा पहुंचाने के लिए?

सुरक्षा पर चिंताः भ्रष्टाचार की वजह से अगर यही हाल रहा, तो 40 मिनट की यात्रा पर निकलने से पहले यात्री 40 बार सोचेगा. यदि गति सुरक्षित नहीं है, तो उसका कोई अर्थ नहीं है.

अखिलेश यादव के इस तीखे हमले पर भाजपा की उन्नाव जिला इकाई के अध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कड़ा पलटवार किया है. उन्होंने सपा प्रमुख के आरोपों को पूरी तरह निराधार और दुर्भावना से प्रेरित बताया.

अनुराग अवस्थी ने कहाः

जो लोग हताश और मानसिक रूप से कमजोर हैं और जिन्हें उत्तर प्रदेश का विकास रास नहीं आ रहा है, वे समाज में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं. 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले लोगों के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का यह विपक्ष का असफल प्रयास है.

उन्होंने आगे कहा कि यदि निर्माण कार्य में कहीं कोई मामूली तकनीकी कमी आती भी है, तो संबंधित निर्माण एजेंसी उसका समय रहते समाधान कर देती है. उद्घाटन से ठीक पहले राजनीति चमकाने के लिए ऐसे आरोप लगाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है.

'मुख्य हाईवे सुरक्षित, सिर्फ किनारे की मिट्टी खिसकी थी'

विवाद बढ़ने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठलअक) भी तुरंत एक्शन में आया. ठलअक के परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा ने एक्सप्रेसवे के मुख्य हिस्से के धंसने के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया.

परियोजना निदेशक ने तकनीकी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहाः

सोशल मीडिया की तस्वीरों का सचः इंटरनेट पर जो तस्वीरें शेयर की जा रही हैं, वह एक्सप्रेसवे का मुख्य मार्ग (मेन कैरिजवे) नहीं है. वह सड़क के किनारे की मिट्टी (सिल्ट) है, जो बारिश के कारण थोड़ी प्रभावित हुई थी.

रूटीन मेंटेनेंस का कामः यह एक सामान्य और नियमित रखरखाव (रूटीन मेंटेनेंस) का मामला है. इससे एक्सप्रेसवे की मजबूती या गाड़ियों की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा है.

भगवंत मान सरकार ने वन विभाग के 516 संविदा कर्मियों को किया परमानेंट, 20-20 साल कर रहे थे नौकरी

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार मिशन रोजागार चला रही है। जिसके तहत वन विभाग के 516 कर्मचारियों की लाटी लग गई है। पंजाब की मुख्ं यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली के वन विभा गे 516 कर्मचारियों को नियमित यानी रेगुलर कर दिया है। ये सभी वन विभाग में बीते 20 सालों से नौकरी कर रहे हैं। मोहाली के विकास भर में आयोजित कार्याक्र में सीएम भगवंत मान ने सभी को परमानेंट नियुक्ति पत्र सौंपा।

'सुंदरकांड पढ़ने के लिए भी क्या परमिशन लेनी होगी', भाजपा पर भड़के आप सांसद संजय सिंह

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर धर्म और पूजा-पाठ को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के साथ सुंदरकांड का पाठ करने के बाद बीजेपी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और सोशल मीडिया पर आप नेताओं को निशाना बनाया।

संजय सिंह ने सवाल उठाया कि क्या अब देश में पूजा-पाठ करने के लिए भी बीजेपी से अनुमति लेनी पड़ेगी। उन्होंने राम मंदिर में कथित चंदा घोटाले का भी जिक्र किया और कहा कि सुंदरकांड का पाठ भगवान से न्याय की प्रार्थना के लिए किया गया था।

AAP के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक

वीडियो शेयर करते हुए कहा कि, नमस्कार, जय हिंद साथियों। कल आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने अरविंद केजरीवाल जी के साथ सुंदरकांड का पाठ किया, उसके बाद पूरी भारतीय जनता पार्टी 'बौखलाना' शब्द तो शायद ठीक नहीं होगा, बिलबिला गई। बिलबिला गई, खुलेआम गालियां देने पर उतर आई है, ट्विटर पर, फेसबुक पर, हर जगह। 'तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई सुंदरकांड का पाठ करने की?'

'अपने आप को हिंदू धर्म का ठेकेदार मान के बैठे हुए हैं'

सांसद संजय सिंह ने आगे कहा कि, मुझे लगता है अगर यह हालात हैं तो फिर तो देश में करोड़ों हिंदुओं को पूजा-पाठ करने के लिए भी बीजेपी की परमिशन लेनी पड़ेगी। आपके घर-घर में घुस के देखा जाएगा, आप सुंदरकांड पढ़ रहे हैं, आप रामायण पढ़ रहे हैं, आप गीता पढ़ रहे हैं, आप पूजा कर रहे हैं कि नहीं कर रहे हैं, और पूजा कर रहे हैं तो बीजेपी वाले से परमिशन लिए हैं कि नहीं लिए हैं।

51 वार-चेहरा तेजाब से जला, 6 साल बाद पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन समेत 6 दोषी करार

(जीएनएस)।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में साल 2020 के सांप्रदायिक दंगों के सबसे चर्चित मामले में सोमवार (13 जुलाई) को 6 साल बाद बड़ा फैसला आया है। करकड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) प्रवीण सिंह ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में 6 आरोपियों को दोषी करार दिया है। इसमें, आम आदमी पार्टी (AAP) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन का नाम भी शामिल है।

हालांकि, अदालत ने ताहिर हुसैन को आपराधिक साजिश (धारा 120इ) सहित कुछ आरोपों से बरी भी किया है।आइए विस्तार से जानते हैं कि कौन हैं ताहिर हुसैन? किन धाराओं में दोषी करार? 5 अन्य दोषी कौन हैं?

आपको बता दें कि पूरा मामला दिल्ली में नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) को लेकर भड़की हिंसा से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक, 25 फरवरी 2020 को इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) में सिक्योरिटी असिस्टेंट अफसर अंकित शर्मा अपनी ड्यूटी से घर लौटे थे। कुछ देर बाद वह घर से बाहर निकले, लेकिन वापस नहीं लौटे। वहीं, ऐसे में पिता रविंदर कुमार ने दयालपुर थाने में अंकित की गुमशुदगी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज गई।

वहीं, अगले दिन यानी 26 फरवरी 2020 को स्थानीय लड़कों से पता चला कि उनके बेटे अंकित शर्मा की हत्या करने के बाद उसे चांद बाग पुलिया स्थित मस्जिद से खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया था। उसकी लाश नाले से बरामद किया गया। मृतक के पिता ने अपनी शिकायत में संदेह जताया है कि उनके बेटे अंकित शर्मा की हत्या ताहिर हुसैन और अन्य लोगों ने की थी, जो उनके कार्यालय में जमा हुए थे, और हत्या के बाद उसके लाश को मस्जिद से नाले में फेंक दिया गया था।

80 साल बाद जापान को क्यों बनाने पड़ी सीआईए जैसी एजेंसी? अमेरिका ने दिया गच्चा या कुछ और है वजह?

वर्ल्ड वॉर 2 के करीब 80 साल बीत जाने के बाद जापान को एक जासूस एजेंसी की कमी क्यों महसूस हुई? ये अपने आप में एक बड़ा सवाल है जिसका जवाब तब से हर कोई जानना चाहता है जब से ये खबर बाहर आई कि जापान ने एक नई सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी बनाने को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की सरकार ने नेशनल इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी ठक्ह की स्थापना की है। यह एक ऐसा नया ऑर्गनाइजेशन होगा, जो उन सभी इंटेलिजेंस फंक्शन्स को एक साथ लाएगा जो पहले अलग-अलग सरकारी विभागों में बिखरे हुए थे।

भिलाई के साफ्टवेयर इंजीनियर ने सीतापुर की लिव इन पार्टनर की गुड़गांव में हत्या की, फिर ट्रेन से कटकर दी जान

(जीएनएस)।

भिलाई। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित सेक्टर-56 थाना क्षेत्र में रविवार को हत्या के बाद आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया। भिलाई निवासी एक साफ्टवेयर इंजीनियर ने कथित रूप से अपनी प्रेमिका की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी और इसके बाद गढ़ी हरसरु रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। घटना के कारणों का अभी राजफाश नहीं हुआ है। सेक्टर-56 थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृत युवक की पहचान श्रेष्ठ मलिक (25) के रूप में हुई है। वह भिलाई की विश्व बैंक कालोनी का निवासी था और गुरुग्राम स्थित एक निजी कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत था। वह पिछले एक वर्ष से सेक्टर-55 स्थित एक अपार्टमेंट में अकेला रह रहा था। मृत युवती की पहचान इशारा अयूबी (25) के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले की रहने वाली थीं और उसी कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर थीं।

जांच में सामने आया है कि दोनों पिछले कुछ महीनों से रिलेशनशिप में थे। इशारा तीन दिन पहले ही सेक्टर-57 स्थित पीजी छोड़कर श्रेष्ठ के साथ लिव-इन में रहने आई थीं। स्वजन के अनुसार, शनिवार से इशारा का मोबाइल फोन बंद था। अनहोनी की आशंका पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस श्रेष्ठ के अपार्टमेंट पहुंची। दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश करने पर बेड पर इशारा का रक्तरंजित शव मिला। गले पर धारदार हथियार के निशान थे और कमरे से खून से सना चाकू भी बरामद किया गया।

रेलवे ट्रैक पर मिला श्रेष्ठ का शव

उधर, शनिवार शाम गढ़ी हरसरु के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। जीआरपी ने उसकी पहचान श्रेष्ठ मलिक के रूप में कर स्वजन को सूचना दी। पोस्टमार्टम के बाद जब परिवार घर लौटने की तैयारी कर रहा था, तभी सेक्टर-56 थाना पुलिस ने उन्हें थाने बुलाया और युवती की हत्या की जानकारी दी। श्रेष्ठ के पिता दीपक मलिक ने पुलिस को बताया कि उन्हें बेटे के रिश्ते की जानकारी नहीं थी।

फोन चैट और काल डिटेल खंगालेगी पुलिस

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने की आशंका है। अब दोनों के मोबाइल फोन, काल डिटेल रिकार्ड, व्हाट्सएप चैट और इंटरनेट मीडिया गतिविधियों की जांच की जाएगी। साथ ही कंपनी के सहकर्मियों, दोस्तों और अपार्टमेंट के अन्य निवासियों से पूछताछ कर घटना की वास्तविक वजह का पता लगाया जा रहा है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का टोल चार्ज, बनाने में कितने करोड़ का आया खर्च, जानें पूरी बात

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन हो गया है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को इसका शुभारंभ किया। इस प्रोजेक्ट से दोनों शहरों के बीच सफर का समय करीब तीन घंटे से घटकर 40 मिनट रह जाने की उम्मीद है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस प्रोजेक्ट से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय लगभग तीन घंटे से घटकर 40 मिनट रह जाने की उम्मीद है। इसे बनाने में कितनी लागत आई, इसमें टोल चार्ज कितना होगा, इसे किस कंपनी ने बनाया? आइए, यहां इन सवालों के जवाब जानते हैं।

एक्सप्रेस-वे को बनाने में आया कितना खर्च?

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस छह-लेन वाले एक्सप्रेस-वे को बनाने में 4,200 करोड़ रुपये खर्च हुए। इसमें तीन इंटरचेंज, दो फ्लाईओवर, एक रोड ओवरब्रिज (ROB), चार बड़े पुल, 25 छोटे पुल, 12 गाड़ियों के लिए अंडरपास, 14 हल्के वाहनों के लिए अंडरपास, 11 पैदल यात्रियों के लिए अंडरपास और रास्ते में दो जगह सुविधाएं शामिल हैं।

एक्सप्रेस-वे पर कितना देना होगा टोल?

इस एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे से दोनों शहरों के बीच तेज और सुरक्षित यात्रा की सुविधा मिलने की उम्मीद है। साथ ही मौजूदा रूट पर ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा। एक्सप्रेस-वे पर दो-पहिया और तीन-पहिया वाहनों को चलने की इजाजत नहीं होगी। यह पाबंदी सिक्स-लेन कॉरिडोर के एक्सेस-कंट्रोल्ड डिजाइन का हिस्सा है। NHAI ने एक तरफ के लिए 275 रुपये और 24 घंटे के अंदर वापसी के लिए 415 रुपये टोल तय किया है।

सुरक्षा के क्या हैं इंतजाम?

इस एक्सप्रेसवे में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) भी लगाया गया है। इसमें 21 वेरिएबल मैसेज साइन (VMS), 63 PTZ कैमरे, 27 वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन सिस्टम (VIDS), 62 इमरजेंसी कॉल बॉक्स, छह स्पीड मापने वाले रडार और नौ स्टैटिक वे-ब्रिज शामिल हैं।

मुजफ्फरपुर के बूढ़ी गंडक नदी पर बना चंदवारा पुल उद्घाटन से पहले दरकने लगा

किस कंपनी ने बनाया है?

63 किमी लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे (NE-6) का निर्माण इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी PNC इन्फ्राटेक लिमिटेड ने किया है। 4,200 करोड़ रुपये की लागत वाले इस एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 40 मिनट रह गया है।

लखनऊ-हरदोई के बीच एक्सप्रेस-वे का प्लान

एक और बड़ा प्रोजेक्ट जिसका उद्घाटन किया जाएगा, वह है हरदोई और लखनऊ के बीच NH 731 के पैकेज चार का फोर-लेन निर्माण। 541 करोड़ रुपये की लागत से बना यह 32 किमी लंबा हाईवे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। यात्रियों और सामान की आवाजाही को आसान करेगा।

विपक्ष को राम मंदिर मामले में सवाल करने का हक नहीं : उ.प्र. के कबिनेट मंत्री मनोज पांडेय ने प्रतापगढ़ पर किया प्रहार

कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय ने प्रतापगढ़ में कहा कि राम मंदिर प्रकरण पर विपक्ष का सवाल उठाना हिंदुओं की आस्था कमजोर करने की साजिश है।

(जीएनएस)।

प्रतापगढ़। प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग के कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय ने कहा कि राम मंदिर में हुए प्रकरण को लेकर हिंदुओं की आस्था कमजोर करने की साजिश हो रही है। कुछ नकली सनातनी और मारीच चढ़ावे का हिसाब मांग रहे हैं। यह वही लोग हैं, जिन्होंने राम भक्तों पर गोली चलवाई थी, सरयू के पानी को खून से लाल कर दिया था। प्रभु राम को काल्पनिक कहा था। इनकी बातों का जवाब देना भी हम जरूरी नहीं समझते।

पौधारोपण अभियान में कैबिनेट मंत्री हुए शामिल

प्रतापगढ़ में एक पौधा मां के नाम अभियान के प्रभारी के रूप में रविवार को आए मंत्री ने तौंकलपुर रानीगंज में बरगद के पौधा लगाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह बातें कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं इस प्रकरण पर सख्त हैं। एसआइटी जांच कर रही है। कई आरोपित जेल भेज चुके हैं। ऐसे में विपक्ष को राग अलापने की जरूरत क्या है।

मंत्री ने अधिकारियों संग बैठक की

खाद्य रसद मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने पौधे लगाने का अभियान चलाकर इस धरती को प्रदूषण के महासंकट से उबारने का काम किया है। पौधारोपण करने के बाद मंत्री ने विकास भवन में अधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री योगी का जनता दर्शन: अवैध कब्जेदारों और अपराधियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं फरियादियों की शिकायतें।

अवैध कब्जेदारों और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश।

बिल्डर धोखाधड़ी मामले में दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए हर फरियादी से मुलाकात कर उनकी शिकायत सुनी और अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

अवैध कब्जे से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत मिलने पर ऐसे मामलों की सख्ती से जांचकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें। धमकी के मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के लिए प्रदेश में कोई जगह नहीं है, पुलिस ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री के समक्ष अवैध कब्जे से जुड़े मामले आये। पीड़ितों ने आरोपियों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने फरियादियों के प्रार्थना पत्र लेकर शासन के अधिकारियों को प्रेषित किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। अवैध कब्जा करने व धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। अपराध व कब्जे से जुड़े मामलों की विवेचना में तेजी कर पीड़ितों को ससमय न्याय और दोषियों को दंड दिलाया जाए।

गाजियाबाद, मेरठ व नोएडा से जुड़े एक बिल्डर की शिकायत भी 'जनता दर्शन' के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंची। पीड़ितों ने बताया कि बिल्डर ने एक ही फ्लैट कई लोगों को रजिस्ट्री कर दिया है।

इस पर मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया और कहा कि जांच में बिल्डर के दोषी मिलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

लखनऊ विश्वविद्यालय का बड़ा फैसला; बीए प्रवेश परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस सवालों पर मिलेंगे पूरे अंक

स्नातक प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में गणित विषय से संबंधित 10 सवाल पूछ लिए गए थे.

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति जेपी सैनी ने एक बार फिर छात्र हितों के प्रति अपनी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता दिखाई है. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नातक प्रवेश परीक्षा 2026-27 के अंतर्गत बी.ए. पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में पूछे गए आउट ऑफ सिलेबस (पाठ्यक्रम से बाहर) के प्रश्नों के मामले में कुलपति ने बड़ा कदम उठाया है. विश्वविद्यालय प्रशासन ने निर्णय लिया है कि बी.ए. प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों को गणित विषय के उन सभी 10 प्रश्नों के पूरे अंक (फुल मार्क्स) समान रूप से प्रदान किए जाएंगे.

क्या था पूरा मामला

हाल ही में संपन्न हुई बी.ए. स्नातक प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र में गणित विषय से संबंधित 10 सवाल पूछ लिए गए थे. परीक्षा समाप्त होने के बाद जब अभ्यर्थियों द्वारा यह बात सामने लाई गई कि विश्वविद्यालय

द्वारा पूर्व निर्धारित और प्रदान किए गए आधिकारिक सिलेबस (पाठ्यक्रम) में गणित विषय का कहीं कोई उल्लेख नहीं था तो असमंजस और चिंता की स्थिति बन गई थी. गैर गणित पृष्ठभूमि (विशेषकर आर्ट्स और 'मेनिटीज) के छात्रों को लग रहा था कि इन अनपेक्षित 10 प्रश्नों के कारण उनकी मेरिट पर विपरीत असर पड़ेगा और वे प्रवेश की दौड़ में पिछड़ सकते हैं.

कुलपति का त्वरित संज्ञान और राहत

जैसे ही यह मामला कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी के संज्ञान में आया, उन्होंने बिना किसी देरी के छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए इस पर त्वरित निर्णय लिया. कुलपति ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर हुई गलती का खामियाजा छात्रों को नहीं भुगतना पड़ेगा. उन्होंने पारदर्शी मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए गणित के सभी प्रश्नों के अंक सभी अभ्यर्थियों को बोनस के रूप में देने के निर्देश जारी कर दिए.

कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने आधिकारिक वक्तव्य में कहा कि "लखनऊ विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है. प्रवेश परीक्षा में पाठ्यक्रम से बाहर के प्रश्न आना एक तकनीकी त्रुटि थी, जिसका संज्ञान लेते हुए हमने छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए यह बड़ा निर्णय लिया है. किसी भी अभ्यर्थी के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष व पारदर्शी रहेगी.

विश्वविद्यालय प्रशासन के इस त्वरित फैसले से बी.ए. प्रवेश परीक्षा में बैठे हजारों अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों ने बड़ी राहत की सांस ली है. प्रवेश समन्वयक प्रो अनित्य गौरव ने बताया कि कुलपति के आदेशानुसार परीक्षा के परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया में इस संशोधन को तत्काल प्रभावी कर दिया गया है, ताकि मेरिट सूची पूरी तरह निष्पक्ष और त्रुटिहीन बने.

लखनऊः घर में पेट्रोल में कर रहे थे मिलावट, 4 लोग दबोचे गए, हजारों लीटर पेट्रोल से भरा टैंकर जब्त

मलिहाबाद में संन्यासी बाग इलाके में रविवार सुबह पुलिस, आपूर्ति विभाग और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने एक मकान पर छापेमारी की। टीम ने अवैध रूप से स्टोर हजारों लीटर पेट्रोल से भरा एचपी कंपनी का टैंकर जब्त किया।।

(जीएनएस)।

मलिहाबाद : मलिहाबाद में संन्यासी बाग इलाके में रविवार सुबह पुलिस, आपूर्ति विभाग और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने एक मकान पर छापेमारी की। टीम ने अवैध रूप से स्टोर हजारों लीटर पेट्रोल से भरा एचपी कंपनी का टैंकर जब्त किया। साथ ही, मकान में रखे गैलनों से मिश्रित पेट्रोल और सॉल्वेंट केमिकल बरामद किया।

इन केमिकल की मिलावट कर पेट्रोल बाजार में सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से चार लोगों को पकड़ा है। एडीसीपी क्राइम किरन यादव ने बताया कि आरोपित पेट्रोल और डीजल के टैंकरों में पाइप डालकर लगभग 200 लीटर फ्यूल निकाल लेते थे। इसके बाद, निकाली गई मात्रा को पूरा करने के लिए उसमें सॉल्वेंट केमिकल मिला दिया करते थे।

पेट्रोल पंप से सूचना के आधार पर कार्रवाई

संयुक्त टीम ने मौके से संन्यासी बाग निवासी अनिल प्रजापति, कोकोरी निवासी अभिषेक, हरदोई निवासी राम तीरथ और उन्नाव निवासी धीरज को पकड़ा है। यह कार्रवाई विधानसभा मार्ग स्थित एक पेट्रोल पंप से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर की गई है। कार्यवाहक थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पेट्रोल, डीजल और केमिकल के सैंपल लैब भेजे जा रहे हैं। लैब रिपोर्ट के स्पष्ट होगा कि ईंधन में किस स्तर पर और कौन से रसायनों की मिलावट हो रही थी। संदिग्धों से पूछताछ में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई होगी।

75 रुपये लीटर बेचते थे पेट्रोल

एडीसीपी क्राइम के मुताबिक बरामद एचपी के टैकर का चालक रामतीर्थ है। उसने बताया कि वह अमौसी स्थित तेल डिपो से पेट्रोल और डीजल लोड कर निर्धारित पेट्रोल पप के लिए निकला था। रास्ते मे टैकर से पेट्रोल निकालकर अनिल कुमार को 75 रुपये प्रति लीटर की दर से बेचता था। भवन स्वामी अनिल कुमार ने बताया कि वह विभिन्न टैंकर चालकों से साठगाठ कर पेट्रोल-डीजल खरीदता था। उसमे साल्वेट मिलाकर स्थानीय ग्राहकों को अधिक कीमत पर बेचता था। इस काम में अभिषेक राजपूत और धीरज सिह उसका सहयोग करते थे। मौके से एचपी का टैकर, मारुति वैन, 7.750 लीटर पेट्रोल, 4,000 लीटर डीजल, 1,150 लीटर अपमिश्रित पेट्रोल, लगभग 3,200 लीटर सॉल्वेट, मास्टर की. 15 लीटर का मापक व अन्य उपकरण मिले है।

मिलावटी फ्यूल से वाहनों में खराबी का शक

एडीसीपी क्राइम के मुताबिक हाल के दिनों में सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों पर एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के सबंध में कई दावे किए जा रहे है। पुलिस की जांच में प्रथम दृष्टया यह आशका सामने आई कि कहीं वाहनों में आ रही तकनीकी समस्याओं के पीछे पेट्रोल और डीजल में अवैध अपमिश्रण, ईंधन की चोरी और अवैध

बीएफएसआई सेक्टर के लिए डिजिटल जोखिम रिपोर्ट 2025-26 का दूसरा संस्करण जारी

(जीएनएस)।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-आईएन), वित्त क्षेत्र में कंप्यूटर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया दल (सीएसईआरटी-एफआईएन) और एसआईएसए के साथ मिलकर आज बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) तथा भुगतान प्रणाली के लिए डिजिटल जोखिम रिपोर्ट 2025-26 का दूसरा संस्करण जारी किया। यह रिपोर्ट वित्तीय संस्थानों, नियामकों और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा और डिजिटल भुगतान को प्रभावित करने वाले खतरों का व्यापक आकलन प्रदान करती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी सचिव श्री एस. कृष्णन ने रिपोर्ट के विमोचन के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा, ह्यजैसे-जैसे साइबर खतरे अधिक जटिल होते जा रहे हैं, डिजिटल विश्वास को मजबूत करने के लिए सार्वजनिक संस्थानों और उद्योग के बीच विश्वसनीय साझेदारी आवश्यक है। डिजिटल जोखिम रिपोर्ट सीईआरटी-आईए, सीएसईआरटी-एफआईएन और एसआईएसए के बीच एक सार्थक सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है। यह साझेदारी दशार्ती है कि भारत में विकसित विशेषज्ञता हमारी राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और वैश्विक स्तर पर साइबर सुरक्षा ज्ञान को आगे बढ़ाने में किस प्रकार योगदान दे सकती है।'

यह रिपोर्ट व्यापक डिजिटल फोरेंसिक्स और इंसिडेंट रिस्पॉन्स (डीएफआईआर) अनुसंधान, सीईआरटी-आईएन और सीएसईआरटी-एफआईएन के अवलोकनों के अनुरूप विश्लेषण और एडवर्सरियल एआई पर किए गए अनुसंधान पर आधारित है। इसका मुख्य निष्कर्ष यह है कि पिछले वर्ष के संस्करण में की गई सात भविष्यवाणियों में से छह पूर्णतः साकार हो चुकी हैं। यह तीव्र प्रगति दशार्ती है कि किसी खतरे के उभरने और उसके प्रचालनगत उपयोग के बीच का समय कैसे कम होता जा रहा है, जो अक्सर वर्षों से घटकर महीनों या हफ्तों तक सीमित हो जाता है।

पहले उभरते या छिटपुट माने जाने वाले खतरे- जिनमें सोशल इंजीनियरिंग, क्रेडेंशियल चोरी, सप्लाई-चेन में सेंधमारी और क्लाउड का दुरुपयोग शामिल हैं- अब स्थापित आक्रमण विधियां बन गए हैं। इसका परिणाम यह है कि अब सबसे विनाशकारी हमले पारंपरिक घुसपैठों से बिल्कुल अलग दिखते हैं। वे वैध सत्रों, स्वीकृत भुगतानों, कार्य प्रवाह की गड़बड़ियों या सामान्य उपयोगकर्ता व्यवहार के रूप में सामने आते हैं, जिन्हें नुकसान हो चुकने तक वास्तविक गतिविधि से अलग करना मुश्किल होता है।

एसआईएसए के संस्थापक और सीईओ दर्शन शांतमूर्ति ने कहा, "नवाचार और शोषण के बीच का अंतर नाटकीय रूप से कम हो गया है। इस एक बदलाव ने हमारे उद्योग को अपनी सुरक्षा कैसे करनी चाहिए, इस बारे में सब कुछ बदल दिया है। बीएफएसआई उद्योग भरोसे पर टिका है- यह भरोसा कि लेन-देन वास्तविक है कि इसे प्रोसेस करने वाले सिस्टम इच्छानुसार काम कर रहे हैं और पैसा एक-दूसरे पर निर्भर संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से सुरक्षित और अपरिवर्तनीय रूप से आगे बढ़ेगा। जब यह भरोसा कमजोर होता है, तो इसका प्रभाव कभी भी किसी एक उल्लंघन या किसी एक फर्म तक सीमित नहीं रहता, यह ग्राहकों, भागीदारों, बाजारों और पूरी अर्थव्यवस्था में फैलता है। यही कारण है कि साइबर सुरक्षा अब व्यवसाय के हाशिये पर एक तकनीकी नियंत्रण कार्य के रूप में नहीं रह सकती। इसे संस्थानों के विकास, नवाचार और नेतृत्व के केंद्र में होना होगा। फोरेंसिक में हमारे काम ने हमें एक सरल सच्चाई सिखाई है: हर उल्लंघन एक सबक छोड़ जाता है और अगर हम तेजी से सीखने को तैयार हैं, तो वे सबक व्यवधान को दूरदर्शिता में बदल सकते हैं।"

रिपोर्ट में वित्तीय संस्थानों के सामने विद्यमान प्रमुख जोखिमों में से एक के रूप में एआई विषमता की पहचान की गई है। जिन कार्यों के लिए कभी विशेषज्ञ टीमों, पर्याप्त संसाधनों और कई सप्ताह के प्रयास की आवश्यकता होती थी, उन्हें अब अपेक्षाकृत कम संसाधनों वाले हमलावर भी मशीन की गति से कर सकते हैं। इससे आक्रमणकारी क्षमताएं उन रक्षात्मक और नियामक तंत्रों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से विकसित हो रही हैं जिन्हें इन्हें नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था।

सीईआरटी-इन के महानिदेशक डॉ. संजय बहल ने कहा, ह्बीएफएसआई उद्योग के लिए डिजिटल खतरे की रिपोर्ट पर लगातार दूसरे वर्ष एसआईएसए के साथ सहयोग करके हमें खुशी हो रही है। जैसे-जैसे भारत का वित्तीय तंत्र अधिक इंटरकनेक्टेड, वास्तविक समय पर आधारित और प्रौद्योगिकी-संचालित होता जा रहा है, साइबर सुरक्षा को संस्थानों, नियामकों और व्यापक डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला के बीच एक साझा जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह रिपोर्ट आवधिक सुरक्षा उपायों से आगे बढ़कर निरंतर जोखिम मूल्यांकन, समन्वित प्रतिक्रिया और मजबूत सूचना साझाकरण की आवश्यकता रेखांकित करती है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

जम्मू-कश्मीर में स्टेटहुड की बहाली के लिए दिल्ली में एक बड़े प्रदर्शन की कोशिशें

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की जंतर-मंतर पर अलगाववादियों को निमंत्रणः पाकिस्तान समर्थक तत्वों का क्या उद्देश्य? उमर अब्दुल्ला ने 20 जुलाईं को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पूर्ण राज्य का दर्जा की बहाली के लिए एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की है। इस प्रदर्शन में न केवल इंडिया गठबंधन के सहयोगी बल्कि जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक सहित 52 नेताओं को निमंत्रण भेजा गया है। यह पैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता के लिहाज से गंभीर सवाल खड़ा करता है। क्या यह स्टेटहुड की मांग का बहाना है या पाकिस्तान समर्थक तत्वों को मुख्यधारा में लाकर भारत विरोधी एजेंडे को मजबूत करने की चाल? राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसी) के इस कदम ने पूरे देश में विवाद खड़ा कर दिया है। उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि एनडीए से जुड़ी परटियों को छोड़कर सभी दलों को आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें मीरवाइज जैसे अलगाववादी भी शामिल हैं। मीरवाइज उमर फारूक लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान की तरफदारी के लिए जाने जाते रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर भारत विरोधी बयान दिए हैं और अलगाववादी आंदोलन से जुड़े रहे हैं। ऐसे व्यत्ति को जंतर-मंतर जैसे प्रतीकात्मक लोकतांत्रिक मंच पर आमंत्रित करना न केवल लोकतंत्र का दुरुपयोग है, बल्कि उन शत्तियों को बल प्रदान करना है जो भारत की एकता को चुनौती देते हैं।

ऐतिहासिक संदर्भ और खतराः कश्मीर का इतिहास गवाह है कि अलगाववाद और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने हजारों निदरेष भारतीयों की जान ली है। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद घाटी में शांति और विकास की नईं लहर आईं है। आतंकवादी घटनाओं में कमी आईं, पर्यटन बढ़ा, और युवा मुख्यधारा की राजनीति और अर्थव्यवस्था की ओर मुड़े। लेकिन उमर अब्दुल्ला जैसे नेता, जिनकी पाटा ने कभी पाकिस्तान परस्त तत्वों से समझौते किए, अब फिर उसी पुरानी राह पर लौट रहे लगते हैं। मीरवाइज का निमंत्रण स्वीकार करना और उन्हें मंच देना यह संदेश देता है कि भारत सरकार की नीतियों के बावजूद अलगाववादियों को वैधता दी जा रही है। क्या इसका उदेश्य वेंद्र सरकार पर दबाव बनाना है या पाकिस्तान की आईएसआई को खुश करना? जंतर-मंतर पर यह प्रदर्शन न केवल स्टेटहुड की मांग करेगा, बल्कि संभवतः अनुच्छेद 370 की बहाली और विशेष दज्रे जैसे मुद्दों को भी उठाएगा, जो देश की अखंडता के लिए हानिकारक हैं। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया है कि फारूक अब्दुल्ला की ओर से निमंत्रण भेजे जा रहे हैं।

इसमें सोनिया गांधी, आसादुद्दीन ओवैसी, मायावती, अरविद केजरीवाल की आप, अकाली दल आदि शामिल हैं। लेकिन मीरवाइज जैसे व्यत्ति का शामिल होना इस पूरे आयोजन को संदिग्ध बनाता है। मीरवाइज ने जंतर-मंतर प्रदर्शन का समर्थन करते हुए व्यापक जम्मू-कश्मीर अधिकार एजेंडे की बात कही है, जो स्पष्ट रूप से भारत विरोधी ताकतों का हिस्सा है।

राजनीतिक मकसद और जनता पर प्रभावः यह निमंत्रण उमर अब्दुल्ला की राजनीति की असफलता को भी उजागर करता है।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद एनसी को सत्ता मिली, लेकिन स्टेटहुड की बहाली अभी लंबित है। इसके बजाय विकास कार्यो पर ध्यान देने के बजाय वे पुरानी अलगाववादी राजनीति को पुनजावित करने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करके वे संसद के मानसून सत्र के दौरान वेंद्र को घेरना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि पाकिस्तान समर्थक तत्व इस प्रदर्शन से क्या साबित करेंगे? वे भारत की लोकतांत्रिक प्रव्रिया का फायदा उठाकर अपनी पाकपरस्ती को वैधता देंगे। यह भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब करेगा और कश्मीर में शांति प्रव्रिया को नुकसान पहुंचाएगा। घाटी के युवा, जो अब शिक्षा, रोजगार और पर्यटन से जुड़ रहे हैं, फिर से भटक सकते हैं। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्टेटहुड बहाल की जाएगी, लेकिन सुरक्षा और विकास के साथ।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था। क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या—क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली ० संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।

भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

सरकारीएजेंसियां

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।

भौगोलिकसंदर्भ

गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

रक्षा सचिव और जापान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप रक्षा मंत्री ने टोक्यो में आयोजित 8वें भारत-जापान रक्षा नीति संवाद की सह-अध्यक्षता की

भारत-जापान ने एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई

(जीएनएस)।

भारत और जापान ने 13 जुलाई 2026 को जापान के टोक्यो में 8वें रक्षा नीति संवाद का आयोजन किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने किया और जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के रक्षा उप मंत्री श्री कानो कोजी ने किया। दोनों पक्षों ने पिछले रक्षा नीति वार्ता सम्मेलन के बाद से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दोनों देशों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिवेश पर व्यापक चर्चा की और पारस्परिक हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस संवाद में द्विपक्षीय रक्षा गतिविधियों के संपूर्ण दायरे की समीक्षा की गई, जिसमें सैन्य आदान-प्रदान, संयुक्त मुख्यालयों के बीच सहयोग, समुद्री सहयोग, रक्षा अभ्यास, क्षमता विकास, समुद्री प्रौद्योगिकी सहित रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी सहयोग और संस्थागत अंतःक्रियाओं को बढ़ावा देना शामिल है।

दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग के निरंतर विस्तार का स्वागत किया और उच्च स्तरीय आदान-प्रदान तथा संवाद तंत्र को नियमित रूप से बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगामी मंत्रिस्तरीय दौरों, जिनमें इस वर्ष के अंत में होने वाली 2+2 बैठकें भी शामिल हैं, के संभावित परिणामों पर चर्चा की।

दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग, तकनीकी नवाचार, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और साझा रणनीतिक हित के अन्य क्षेत्रों सहित उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर भारत और जापान के बीच बढ़ते तालमेल पर संतोष व्यक्त किया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मिलकर काम करना जारी रखने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर आधारित एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

रक्षा सचिव ने रक्षा क्षेत्र में भारत के साथ जापान की निरंतर भागीदारी की सराहना की और भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के ढांचे के तहत व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। श्री कानो कोजी ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में भारत के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने की जापान की प्रतिबद्धता को दोहराया।

रक्षा नीति संवाद से पहले रक्षा सचिव ने जापान के रक्षा मंत्री श्री शिंजीरो कोइजुमी से मुलाकात की और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की ओर से शुभकामनाएं दीं। दोनों पक्षों ने भारत-जापान की बढ़ती विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की पुष्टि की। रक्षा सचिव ने, रक्षा मंत्री की ओर से जापान के रक्षा मंत्री को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

रक्षा सचिव ने टोक्यो में आत्मरक्षा बलों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके अपनी यात्रा की शुरूआत की और राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले जापान के आत्मरक्षा बलों के सदस्यों को श्रद्धांजलि दी।

इस यात्रा ने भारत और जापान के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों, आपसी सम्मान और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 सेमीफाइनल के ब्लॉकबस्टर मुकाबले का शेड्यूल जारी, इन टीमों के बीच होगी जंग

(जीएनएस)।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 अपने सबसे रोमांचक पड़ाव पर पहुंच गया है। टॉप की चार टीमों ने धमाकेदार मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब सेमीफाइनल में इन चार में से कोई दो टीमें ही फाइनल तक का सफर तय करने में कामयाब हो सकेगी। ऐसे में फुटबॉल फैंस के बीच अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को लेकर चचाओं का माहौल गर्म है।

कब होगा पहला सेमीफाइनल मुकाबला

फीफा वर्ल्ड कप में होने वाले सेमीफाइनल का पहला मुकाबला 15 जुलाई को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा। वहीं, 16 जुलाई को होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना इंग्लैंड से होगा। चारों ही टीमें इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं, जिससे फुटबॉल फैंस को दो हाई-वोल्टेज मैच देखने को मिलेंगे।

फ्रांस के सामने स्पेन की चुनौती

टूनामेंट में अब तक फ्रांस का प्रदर्शन बेहद दबदबा बनाने वाला रहा है। फ्रांसीसी टीम ने अपने पिछले मुकाबले बड़े अंतर से जीते हैं, जिसके कारण उन्हें इस सेमीफाइनल में जीत का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। दूसरी तरफ स्पेन की टीम को भी कम नहीं आंका जा सकता। स्पेन ने अपने पिछले दो नॉकआउट मैचों में पुर्तगाल और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमों को शिकस्त देकर अंतिम-4 में जगह बनाई है। ऐसे में फ्रांस के लिए स्पेन के डिफेंस को भेदना आसान नहीं होगा।

इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच कांटे की टक्कर

फीफा विश्व कप के इतिहास में स्पेन और फ्रांस के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। साल 2006 के विश्व कप में फ्रांस ने स्पेन को 3-1 से हराया था। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना का सफर इस बार थोड़ा संघर्षपूर्ण रहा है। टीम ने केप वर्डे, मिस्र और स्विट्जरलैंड के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया है। पिछले कुछ मैचों में अर्जेंटीना का खेल उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है।

इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना का मैच 16 जुलाई भारतीय समयानुसार (क्रळ) रात 12:30 बजे अटलांटा स्टेडियम में खेला जाने वाला है। विश्व कप इतिहास में दोनों देशों के बीच काफी पुराना इतिहास रहा है। दोनों टीमें अब तक विश्व कप में 5 बार आमने-सामने आ चुकी हैं, जिसमें से 3 बार इंग्लैंड ने और 2 बार अर्जेंटीना ने जीत दर्ज की है।

मुस्लिम फिल्ममेकर ने रचाई हिंदू लड़की से शादी, तलाक के बाद फिर उसी से कर बैठे मोहब्बत

(जीएनएस)।

अपनी फिल्मों के जरिए इश्क का नया पाठ सिखाने वाले 'रॉकस्टार' फेम डायरेक्टर इम्तियाज अली की बेटी इदा अली ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड कृष अग्रवाल से सगाई कर ली है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए लोगों को दी है, लोग उन्हें आने वाले जीवन के लिए दिल खोलकर बधाई दे रहे हैं, हालांकि दोनों शादी कब करेंगे इस बारे में खुलासा नहीं हुआ है।

लेकिन इससे पहले बात कर लेते हैं इदा के अब्बाजान इम्तियाज अली की शादी की, जो वाकई में किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं हैं। इम्तियाज अली ने केवल एक ही लड़की से प्यार किया और बेइंतहा किया। मालूम हो कि इम्तियाज अली का दिल हिंदू लड़की प्रीति पर आ गया था, दोनों की मुलाकात हुई और फिर इन्हें लगा कि ये हमसफर बन सकते हैं।

दोनों ने अलग-अलग धर्म होने के बावजूद साल 1995 में शादी रचा ली, दोनों एक-दूसरे के सपोर्टिंग सिस्टम बने रहें, कहते हैं कि इम्तियाज के संघर्ष के दिनों में प्रीति ने उन्हें हर तरह से सपोर्ट किया, दोनों को शादी से एक बेटी इदा है लेकिन जैसे-जैसे इम्तियाज तरक्की के सीढ़ियां चढ़ते गए, वो परिवार और प्रीति से दूर होते चले गए और फिर एक दिन खबर आई की दोनों का रिश्ता खत्म हो गया है और साल 2012 में दोनों कानूनी तौर पर अलग हो गए।

2012 से लेकर 2020 तक अली और प्रिया अलग-अलग रहे

तब इदा अमेरिका में पढ़ रही थी, दोनों ने आपसी सहमति से तलाक लिया था लेकिन दोनों बेटी की वजह से हमेशा साथ रहे। प्रीति भी प्रोड्यूसर और डायरेक्टर है, उन्होंने कुछ शार्ट फिल्में भी बनाई हैं। साल 2012 से लेकर 2020 तक अली और प्रिया अलग-अलग रहे लेकिन फिर आया कोरोना काल, जिसने ना जाने कितनी जिंदगियों खत्म कर दीं लेकिन इम्तियाज की लाइफ में इसने बड़ा बदलाव किया।

साल 2020 में इम्तियाज अली और प्रीति फिर रहने लगे साथ

कहते हैं ना कि वक्त बदल जाए लेकिन जज्बात नहीं बदलते, वही हुआ इम्तियाज अली और प्रिया के साथ, साल 2020 में दोनों ने फिर से साथ रहने का फैसला किया, अली ने अपनी बेटी को भी अमेरिका से बुला लिया और फिर ये पूरा परिवार एक साथ एक ही छत के नीचे रहने लगा और एक तरह से फिल्म की हैप्पी एंडिग की तरह इम्तियाज अली और प्रिया की लाइफ फिर से सेट हो गई और अब बहुत जल्द उनकी फैमिली में एक नया सदस्य दामाद के रूप में एड होने जा रहा है, खास बात ये है कि अली का दामाद भी हिंदू हैं।

इम्तियाज अली ने लीक से हटकर बनाईं लोकप्रिय फिल्में

मालूम हो कि 16 जून 1971 को जमशेदपुर में जन्मे इम्तियाज अली ने सोचा ना था (2005), जब वी मेट (2007) और लव आज कल (2009), और नाटक रॉकस्टार (2011), हाईवे (2014), तमाशा (2015), जब हैरी मेट सेजल (2017), अमर सिंह चमकीला (2024), और मैं वापस आऊंगा (2026) जैसी शानदार फिल्में लोगों को दी हैं, जिन्हें लोग बार-बार देखना पसंद करते हैं।

छोरियों ने लिया छोरों का बदला, लॉर्ड्स में इंग्लैंड को 270 रनों से चटाई धूल

(जीएनएस)।

ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय टीम ने धमाकेदार अंदाज में खेलते हुए इंग्लैंड की महिला टीम को धूल चटाने का काम किया है। मेजबान टीम को उनके घर में जाकर भारतीय टीम ने बड़े अंतर से पराजित कर दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई ने भारत ने धमाका कर दिया। 142 सालों में पहली बार लॉर्ड्स में महिला टेस्ट हुआ, इसे जीतकर टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया।

हाल ही में टी20 सीरीज में पुरुष टीम को इंग्लैंड ने क्लीन स्वीप किया था। उसका बदला महिला क्रिकेट टीम ने ले लिया है। भारतीय टीम ने इस मैच में 270 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ली। चौथे दिन के पहले सेशन में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरी पारी में 186 रनों के कुल स्कोर पर आउट कर दिया।

बड़े लक्ष्य के जवाब में बिखरी इंग्लिश टीम

भारतीय टीम से इंग्लैंड को 457 रनों का बड़ा लक्ष्य मिला था। इसका पीछा करते हुए इंग्लिश टीम पूरी तरह से फिसड्डी साबित हुई और घरेलू दर्शकों के सामने 186 रनों के स्कोर पर आउट होकर मैच हार गई। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में सोफी एक्लेस्टोन और एमी जोंस ने अर्धशतकीय पारियां खेली। भारत के लिए दूसरी पारी के दौरान स्नेह राणा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए।

इंग्लैंड ने जीता था टॉस

इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने धाकड़ अंदाज में खेलते हुए इंग्लिश गेंदबाजों का धुआं निकाल दिया। मंधाना ने 83, हरमन ने 58 और दीप्ति शर्मा ने 57 रनों की पारियां खेली। पहली पारी में भारतीय ने 285 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया।

क्रांति गौड़ की तूफानी गेंदबाजी

जवाब में खेलते हुए इंग्लैंड की पहली पारी महज 170 रनों के मामूली स्कोर पर ही सिमट गई। एमी जोंस के बल्ले से फिफ्टी आई लेकिन क्रांति गौड़ ने ऐतिहासिक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम करते हुए तहलका मचा दिया और लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज करा लिया।

यास्तिका भाटिया का शतक

इसके बाद दूसरी पारी में भारत के लिए यास्तिका भाटिया ने तूफान मचाते हुए शतक जमा डाला। वह 113 रनों की पारी खेलकर आउट हुईं। स्मृति मंधाना का बल्ला इस बार भी चला। वह 70 और ऋचा घोष 50 रन बनाने में सफल रहीं। भारत ने दूसरी पारी 7 विकेट पर 341 रन बनाकर घोषित कर दी और फिर इंग्लैंड को 186 पर आउट कर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली।

फैजुल्लागंज के ट्रांजिट हास्टल, पीली कालोनी में रहने वालों का जलवा कायम बिजली विभाग को लगा रहे लाखों का चूना

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के फैजुल्लागंज क्षेत्र दाउद नगर चौराहे के पहले हाजिया इंस्टीटयूट के सामने बनी पीली कालोनी, ट्रांजिट हास्टल में रहने वालो का दबदबा कायम है आप को बताते चले की कुछ महीने पूर्व बिजली विभाग की विजिलेंस टीम के द्वारा कॉलोनी में छापेमारी करी गई थी इस छापेमारी से कॉलोनी में रहने वाले कई लोग बिजली चोरी में पकड़े गए थे बिजली विभाग के द्वारा इन कॉलोनी वासियों पर कानूनी कार्रवाई कर इन पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई करी गई थी सोचने वाली बात यह है की पीली कालोनी ट्रांजिट हास्टल में 96 कमरे बने हुये है जो की उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वर्तमान बीजेपी विधायक नीरज बोरा के द्वारा कुछ वर्षों पहले निराश्रित, झोपड़पट्टी में रहने वाले इन गरीबों को बांटे गए थे लेकिन इन्हीं गरीबों के द्वारा पीली कालोनी में रहने वालों ने बाहर लगे बिजली के खम्भे में कटिया फंसा कर बिजली विभाग को लाखों रुपये का चूना लगाने में कोई कोर कसर नही छोड़ रहे पीली कालोनी ट्रांजिट हास्टल कालोनी में रहने वाले इन गरीबों के द्वारा एसी, हिटर, फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन आदि बिजली से चलने वाले उपकरण दिन रात चलाये जा रहे खंजर सूत्रों की मानें तो दाउद नगर बिजली विभाग के कुछ कर्मचारी की मिलीभगत से एक कंडीडेट से 200/= रुपये लेकर बिजली के खम्भे से डायरेक्ट कनेक्शन कर बिजली विभाग को लाखों की चपत लगाई जा रही है। अब आप खुद अंदाजा लगाइये की कमरे टोटल 96 रुम बने हुये है और इलेक्ट्रिक प्रीपेड मीटर केवल 25 ही घरों के लगे हुए है इनमें से भी कुछ लोगों ने मीटर उखाड़ कर डायरेक्ट बिजली का फुल मजा ले रहे। इस मामले को लेकर पांच दिन पहले पत्रकार के द्वारा फैजुल्लागंज बिजली विभाग के एक्सईएन पंकज कुमार गुप्ता और एसडीओ अमन तिवारी से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर इस मामले में कार्रवाई करने के लिए कहा गया था एक्सईएन और एसडीओ ने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया लेकिन 5 दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई होती नजर नहीं आई।

विकास ही पहचान' : डॉ. रत्नेश गंगवार ने गिनाईं पांच वर्षों की उपलब्धियां

650 स्ट्रीट लाइटें, दर्जनों गांवों में सीसी रोड-खड़ंजा निर्माण और देवहा नदी पर बड़े पुल की स्वीकृति के साथ बदला क्षेत्र का भूगोल

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। जिला पंचायत वार्ड संख्या 28 की सदस्य प्रियंका गंगवार प्रतिनिधि डॉक्टर रत्नेश गंगवार ने अपने कार्यालय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर वर्ष 2021 से 2026 के मध्य कराए गए ऐतिहासिक विकास कार्यों का ब्योरा जनता के सामने रखा। उन्होंने आंकड़ों के साथ सिद्ध किया कि उनके 5 साल का कार्यकाल इस क्षेत्र के लिए 'स्वर्णिम काल' साबित हुआ है। गौर करने वाली बात यह है कि इस रिपोर्ट कार्ड में पूर्व के कार्यकालों (2013-2021) के कार्यों को शामिल नहीं किया गया है, यह विशुद्ध रूप से इसी पंचवर्षीय की वास्तविक उपलब्धि है।

650 स्ट्रीट लाइटों से जगमगाए गांव, लगीं 6 हाईमार्क लाइटें

प्रेस वार्ता के दौरान पडॉ रत्नेश गंगवार ने बताया कि क्षेत्र के अंधेरे को दूर करने के लिए रिकॉर्ड 650 स्ट्रीट विद्युत पोल लाइटें जसौली, दीवाली, परसिया, पकड़िया मंगली, डकिया महक, महुआ, बीरमपुर, सावेपुर, गांगुपुर, रुरिया, लौगाह, कनगरों, सिमरा अकबरगंज समेत क्षेत्र के सभी गांवों में लगवाई गई हैं। इसके अलावा मुख्य चौराहों की सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था हेतु सावेपुर, गांगूपुर, बीरमपुर, महुआ, शिवशक्ति धाम तथा सिमरा अकबरगंज में 6 हाईमार्क लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं।

संपर्क मार्गों का सुदृढ़ीकरणः कीचड़ और जलभराव से मुक्ति

वार्ड के दर्जनों गांवों में सीसी रोड, खड़ंजा व नाला निर्माण कराकर ग्रामीणों को आवागमन की बेहतरीन सुविधा दी गई है। मुख्य रूप से गुजरनपुर-ललौर से ग्राम सोराह मार्ग, रिछोला घासी, किशनी, परेवा मितेपुर गन्ना सेंटर, सिसैया, मलकपुर-श्यामपुर पक्के रोड से सिसैया मार्ग, चौसर हरदो पट्टी, भगवन्तपुर, चेना नकटी, जल्लापुर, दीवाली, परसिया में बीसलपुर-पीलीभीत मार्ग से धर्मस्थल तक, अकबरगंज सिमरा, डकिया महक, लौगाह, कनगरों तथा सावेपुर में नहर के पट्टे पर खड़ंजा व नाला निर्माण कार्य प्रमुख हैं।

शासन से स्वीकृत कराए दो ऐतिहासिक बड़े कार्य (क्षेत्र की लाइफलाइन)

पडॉ रत्नेश गंगवार ने अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि साझा करते हुए बताया कि उनके विशेष और भगीरथ प्रयासों से शासन द्वारा वार्ड नंबर 28 में दो अत्यंत महत्वपूर्ण बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली हैः

देवहा नदी पर महासेतुः कितनापुर व ग्राम भैरुआ के मध्य बीसलपुर विधानसभा का सबसे महत्वपूर्ण बड़ा पुल देवहा नदी पर स्वीकृत कराया गया है, जो कई किलोमीटर की दूरी को कम करेगा।

बाढ़ पीड़ित मार्ग पर 8 बड़ी पुलियाः चौसर हरदोपट्टी जाने वाले मार्ग पर बाढ़ से कट रहे रास्ते को बचाने के लिए 8 बड़ी पुलिया निर्माण की स्वीकृति कराई गई है।

प्रशासक काल (आगामी 6 माह) में भी जारी रहेगा विकास

जिला पंचायत की अंतिम मीटिंग में प्रियंका गंगवार द्वारा कई कार्यों को स्वीकृत करा लिया गया है, जो आगामी 6 महीनों के प्रशासक कार्यकाल के दौरान धरातल पर उतरेंगे। इनमें ललौर, रिछोला घासी, अभयपुर, भैंसहा, बीरमपुर, महुआ, डकिया महक से लौगाह तक खड़ंजा कार्य, पटनियां से चौसर हरदो पट्टी तक पेंटिंग रोड और जसौली गांव के अंदर जाने वाले रास्ते पर सीसी रोड का निर्माण शामिल है।

"यह सब कुछ मेरी देवतुल्य जनता द्वारा बार-बार जताए गए भरोसे, स्नेह और आशीर्वाद के कारण ही संभव हो पाया है। मैं पूरे क्षेत्र की जनता और मीडिया बंधुओं का हृदय से आभार प्रकट करती हूं।"

94 गांव का कब होगा विकास जनता की टूटी आस

सड़क बनी तालाब जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

(जीएनएस)।

पूरनपुर पीलीभीत #

जनपद पीलीभीत के 94 गांव अपनी दशा पर आज से 20 साल पहले भी रो रहे थे और आज भी रो रहे हैं कारण केवल इतना है यह 94 गांव जिला मुख्यालय से पहले भी दूर थे और आज सोशल मीडिया का जमाना होते हुए भी अधिकारियों की नजरों से दूर हैं या फिर यूं कहा जाए की अधिकारी और जनप्रतिनिधि यहां की जनता को केवल लॉलीपॉप दे रहे हैं आपको बताते चलें भाजपा सरकार में जहां सड़कों का जमकर विकास हुआ सड़क परिवहन विभाग द्वारा जाल बिछा दिया गया वहीं 94 गांव को तहसील पूरनपुर से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग दुर्जनपुर कलां से टांडोला शेरपुर धनाराघाट को जोड़ता है दशकों से उसकी हालत खस्ता बनी हुई है चुनाव में वादे होते हैं लोगों से समझौता होता है कभी वन विभाग तो कभी मंडी समिति का नाम लगाकर लोगों को गुमराह कर दिया जाता है यहां के लोगों का दर्द सुनने वाला कोई नहीं आए दिन सड़क पर हादसे हो रहे हैं पूर्व में सांसद वन मंत्री भी रहे लेकिन उन्होंने वन विभाग से एक किलोमीटर मार्ग का परमिशन नहीं लिया जिस कारण 94 गांव की दर्जनों ग्राम पंचायतों की जनता आंसुओं के घूंट पी रही है

जाएं तो कहां जाएं न्याय पंचायत चतीपुर की जनता को हाईवे से घूम कर जाने पर 33 किलोमीटर दूरी तय करनी पड़ती है वही दुर्जनपुर कला शेरपुर धनारा घाट मार्ग से पूरनपुर पहुंचने पर मात्र 17 किलोमीटर की दूरी रह जाती है गरीब जनता की जेब पर जो भार पड़ रहा है आखिर जिम्मेदार कौन अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों पर क्या फर्क पड़ता है 34 किलोमीटर हो या 74 उन्हें तो गाड़ी का डीजल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो ही रही हैं हाल पूछो उस गरीब जनता का जो अपने हाल पर आंसुओं के घूंट पी रही है

पिछले दो वर्ष पूर्व बिलहरी से शेरपुर तक मार्ग का दुरुस्ती करण हुआ था जो एक वर्ष में ही पुनः गड्ढों में तब्दील हो गया कोई पूछने वाला नहीं कोई देखने वाला नहीं कोई कहने वाला नहीं रोड की हालत पुनः बदहाल हो गई शेरपुर से ठेकेदार ने गड्ढा मुक्त करने का काम शुरू किया उसे भी टंडोला से पहले ही बंद कर दिया गया क्षेत्रीय जनता की अपील है की इस मार्ग को जिम्मेदार बनवाने का कार्य जल्द से जल्द करें एवं क्षेत्रीय जनता को राहत मिल सके

डीजल टंकी में वेल्डिंग के दौरान विस्फोट, 3 झुलसे, हालत गंभीर

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर। बीसलपुर थाना क्षेत्र के जोगीठेर गांव में सोमवार को वेल्डिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। ट्रक की डीजल टंकी में वेल्डिंग करते समय अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना भीषण था कि डीजल टंकी के परखच्चे उड़ गए और आसपास अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार ट्रक की डीजल टंकी लीक हो गई थी। उसे ठीक करने के लिए वेल्डिंग की जा रही थी। इसी दौरान अचानक टंकी में विस्फोट हो गया। विस्फोट की आवाज दूर तक सुनी गई।इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को आनन-फानन में पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

सूचना मिलते ही बीसलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक तौर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को ही हादसे की वजह माना जा रहा है। खाली डीजल टंकी में भी वाष्प रह जाने के कारण वेल्डिंग के समय विस्फोट हो सकता है।

पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का संपर्क मार्ग बदहाल, मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

(जीएनएस)।

मलिहाबाद, माल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाला मुख्य मार्ग बदहाल होने से मरीजों और उनके परिजनों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों और उखड़ी हुई सतह के कारण एंबुलेंस, दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

क्षेत्रवासियों के अनुसार बारिश के दिनों में सड़क पर पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली एंबुलेंस भी खराब सड़क के कारण धीमी रफ्तार से चलती हैं, जिससे गंभीर मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने में देरी हो सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग की मरम्मत की मांग कई बार संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखी जा चुकी है, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोगों का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र की बड़ी आबादी के इलाज का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां तक पहुंचने वाला मार्ग बेहतर होना बेहद जरूरी है।

ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए सड़क की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि मरीजों, एंबुलेंस सेवाओं और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

सांप के काटने से किसान की मौत

(जीएनएस)।

मलिहाबाद लखनऊ। खेत में काम करते समय सांप के काटने से एक 65 वर्षीय किसान की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताते चलें कि रहीमाबाद थाना क्षेत्र के जमोलिया गांव के मजरा अंटा खेड़ा निवासी किसान राम सहाय पुत्र स्व0 पन्ना रविवार को अपने खेत में काम कर रहे थे इसी दौरान उनके हाथ में एक विषैले सर्प ने डस लिया परिजनों ने थोड़ा बहुत झाड़ फूंक कराया परंतु जब फायदा नहीं हुआ तो आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुनायक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

गौसेवा के लिए खेत में उतरे राष्ट्रीय योगी सेना के कार्यकर्ता, स्वयं काटा हरा चारा

(जीएनएस)।

बिलसंडा (पीलीभीत)। विकासखंड बिलसंडा स्थित कान्हा गौशाला में राष्ट्रीय योगी सेना के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सोमवार को श्रमदान करते हुए स्वयं हरा चारा काटा और गौवंश को खिलाकर सेवा व मानवता का अनुकरणीय संदेश दिया। संगठन के कार्यकताओं ने अपने हाथों से चारा काटकर यह संदेश दिया कि गौसेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कर्म से होती है।

जिला कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा के नेतृत्व में सभी कार्यकताओं ने गौशाला पहुंचकर पहले हरा चारा काटा, फिर उसे गौवंश को खिलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति, करुणा और मानवता का प्रतीक है तथा प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर गौसेवा के लिए आगे आना चाहिए।

राष्ट्रीय योगी सेना के इस सेवा कार्य की गौशाला में मौजूद लोगों और स्थानीय नागरिकों ने सराहना की। लोगों ने कहा कि युवाओं द्वारा स्वयं श्रमदान कर गौसेवा करना समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। ऐसे कार्यों से सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है।

इस अवसर पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा, अरुण, मुकुल, आलोक और अवनीश सहित राष्ट्रीय योगी सेना के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने गौसेवा को निरंतर जारी रखने का संकल्प भी लिया।

हिंदी विभिन्न भाषाओं के अस्तित्व का सम्मान करते हुए सभी को एकता के सूत्र में पिरोती हैः श्री गजेंद्र सिंह शेखावत

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में पर्यटन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

(जीएनएस)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली स्थित अशोक होटल में पर्यटन मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य मंत्रालय के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की समीक्षा करना तथा इसके उपयोग को और बढ़ावा देने के उपायों पर विचार-विमर्श करना था।

बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों से आए समिति के सदस्यों के साथ-साथ पर्यटन मंत्रालय के अपर सचिव एवं महानिदेशक (पर्यटन) श्री सुमन बिल्ला, पर्यटन मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार श्री ज्ञान भूषण, भारत पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती मुग्धा सिन्हा तथा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक का प्रारंभ केंद्रीय मंत्री के स्वागत संबोधन से हुआ। इसके पश्चात विभिन्न प्रांतों से आए समिति के गैर-सरकारी सदस्यों—डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. अनुराग आनंद, डॉ. सुषमा सिंह, श्री सिस्ता मधुसूदन राव और श्री उमेश सिंह—ने पर्यटन मंत्रालय के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग पर संतोष व्यक्त किया।

सदस्यों ने सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को और बढ़ावा देने के संबंध में भी अपने विचार साझा किए।

केंद्रीय मंत्री ने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी भाषाओं को साथ लेकर चलते हुए हिंदी को भी उचित स्थान और सम्मान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिंदी सभी प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं के अस्तित्व का सम्मान करते हुए सभी को एकता के सूत्र में पिरोती है। उन्होंने कहा कि हमें विविधता में संवाद और संवाद में सहमति बनाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

श्री शेखावत ने कहा कि पर्यटन मंत्रालय का 'अतुल्य भारत' प्लेटफॉर्म हिंदी में भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा

मलिहाबाद चौराहे पर रात 10:30 बजे भी धड़ल्ले से बिक रही ब्लैक में देशी शराब

90 की बोतल 150 में बेचने का आरोप, ग्रामीणों ने की शिकायत

(जीएनएस)।

मलिहाबाद, लखनऊ।मलिहाबाद चौराहा स्थित हरदोई रोड पर देसी शराब ठेके पर आबकारी नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

यहां रात 10 बजे के बाद भी शराब की बिक्री की जा रही है और वह भी दोगुने दाम पर। स्थानीय लोगों के अनुसार रविवार रात करीब 10:30 बजे भी ठेके पर शराब बेची जा रही थी। आबकारी नियमों के तहत रात 10 बजे के बाद शराब की बिक्री प्रतिबंधित है।ग्रामीणों का आरोप है कि ठेके पर 90 रुपये वाली देसी शराब की बोतल 150 रुपये में बेची जा रही है। ठेकेदार का कहना है कि "किसी भी समय शराब मिल जाएगी, लेकिन रेट ज्यादा लगेगा।" स्थानीय लोगों ने विशाल नाम के व्यक्ति पर ब्लैक में शराब बेचने का आरोप लगाया है।ग्रामीणों ने आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ठेके पर छापेमारी कर अवैध बिक्री और ओवररेटिंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

जनसुनवाई मे जिलाधिकारी ने सुनी 71 शिकायतेः-जिलाधिकारी

(जीएनएस)।

जनपद हरदोई

आज कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 71 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। जनसुनवाई मे नगर मजिस्टेज्ट संजय कुमार व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें। तहसील संडीला एहतराम

पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह का तबादला, प्रयागराज में मिली नई तैनाती।

(जीएनएस)।

पीलीभीत/पूरनपुर। शासन द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल में पीलीभीत जिले के पूरनपुर उप जिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह का तबादला कर दिया गया है। जारी स्थानांतरण आदेश में उनका नाम शामिल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजीत प्रताप सिंह को अब प्रयागराज में नई तैनाती दी गई है।

अजीत प्रताप सिंह के पूरनपुर से हटते ही नए उप जिलाधिकारी की तैनाती को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। अभी तक नए एसडीएम के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अजीत प्रताप सिंह के कार्यकाल में पूरनपुर क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए थे। उनके तबादले के बाद क्षेत्रीय जनता और अधीनस्थों में चर्चा का विषय बना हुआ है।